दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-243
मुरादाबाद
24 December 2024
(Tuesday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले– पांच जनवरी तक आवंटित हो जाएगी सभी संस्थाओं को भूमि, युद्ध स्तर पर चल रहे सभी कार्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यों पर संतोष जाहिर किया और कहा कि सभी संस्थाओं को पांच जनवरी तक हर हाल में भूमि आवंटित कर दी जाएगी। संगम आने वाले श्रद्धालुओं इस बार अक्षयवट, हनुमान मंदिर, भरद्वाज, पतालपुर, सरस्वती कूप और श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर देखने

को मिलेगा।महाकुंभ की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सोमवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेले के कार्यों पर संतोष जाहिर किया। कहा कि 20 हजार से अधिक संतों और संगठनों सहित अन्य संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया है। सभी 13 अखाड़ों के साथ दंडीवाडा और आचार्यवाड़ा को भूमि आवंटित की जा चुकी है। प्रयागवाल को भूमि आवंटित करने की कार्रवाई चल रही है। नई संस्थाओं को पांच जनवरी तक हर हाल में जमीन आवंटित कर दी जाएगी। सीएम ने कहा कि इस बार एसडीआरएफ और एनडीआरफ के साथ आपदा मित्र की भी घाटों पर तैनाती की जाएगी। महाकुंभ से जुड़े कार्यों का निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।सीएम योगी ने कहा कि इस बार महाकुंभ में श्रद्धालुओं को श्री बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट, पातालपुरी, भरद्वाज आश्रम, सरस्वती कूप कॉरिडोर देखने का अवसर मिलेगा। साथ ही भगवान राम और निषादराज की मिलन स्थली श्रृंगवेरपुरधाम कॉरिडोर भी लोगों को आकर्षित करेगी। द्वादश ज्योतिर्लिंग के साथ, वासुकिनाथ और महत्वपूर्ण दर्शनीय तीर्थस्थलों पर फसाड लाइटिंग और सुंदरीकरण कार्य लगभग पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार संगम आने वाले श्रद्धालुओं को मां गंगा का रिवर फ्रंट देखने को मिलेगा। आचमन और स्नान के लायक है संगम का जल- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मां गंगा और यमुना का जल अब स्नान करने और आचमन करने लायक भी है। श्रद्धालुओं को यहां अविरल और निर्मल गंगा जल उपलब्ध होता रहेगा। गंगा जल शुद्ध रहे इसके लिए दूषित नाल के पानी को शुद्ध करके छोड़ा जा रहा है। मां गंगा और यमुना की कृपा से इस बार संगम में स्नान के लिए पर्याप्त जलराशि मौजूद है। ड्रेनेज और इंडस्ट्रीज के पानी को बायोरेमिडेशन और जियो टैग के माध्यम से शुद्ध किया जा रहा है। मेले में 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए उपकेंद्रों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। 48 हजार एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी है। कहा कि डबल इंजन की सरकार में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। 20 पांटून ब्रिज तैयार - सीएम ने कहा कि महाकुंभ में 30 में से 20 पांटून ब्रिज बनकर तैयार हो गए हैं। शेष सभी ब्रिज 30 दिसंबर तक तैयार हो जाएंगे। 651 किलोमीटर चकर्ड प्लेट बिछनी है, जिसमें 330 किमी बिछ चुकी है। 250 साइनेज अब तक 250 लगाए जा चुके हैं।

सिटी के अंदर भी 661 स्थानों पर साइनेज लग गए हैं। 20 हजार श्रद्धालुओं के लिए तैयार हो रही टेंट सिटी- योगी ने कहा कि संगम के तट पर अरैल घाट पर 20 हजार श्रद्धालुओं के लिए टेंट सिटी की स्थापना प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से की जा रही है। इसके अलावा करीब छह हजार श्रद्धालुओं के लिए मेला क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर टेंटेज तैयार किए जा रहे हैं। मेले में सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रहेगा। केंद्र और राज्य सरकार के विभाग पूरे समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी डीजीपी बोले- आयोजन के लिए होगी सात स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, साइबर स्पेस पर भी नजर

यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर कहा कि आयोजन को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए सात स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। वहीं, साइबर स्पेस पर नजर रखने के लिए साइबर वॉरिअर तैयार किए गए हैं।यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर कहा कि हम आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कहीं किसी भी तरह की असुविधा न हो लिए इसके लिए सात स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। महाकुंभ हमारे लिए अवसर है। 45 दिनों में करीब 50 करोड़ लोग प्रयागराज आएंगे। इस दौरान कुल छह शाही स्नान होंगे। पृथ्वी पर इतने कम समय दिनों में इतने लोगों का आवागमन हो रहा है।इसके लिए अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है।उन्होंने कहा कि कुंभ के लिए हमने डिजिटल वॉरियर बनाए हैं। कॉलेज के विद्यार्थियों को डिजिटल वॉरियर बनाया गया है। भारत सरकार के विभागों की मदद से पूरे साइबर स्पेस पर हमारी नजर रहेगी। यूपी डीजीपी ने कहा कि श्रद्धालु काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, अयोध्या राम मंदिर, विंध्याचल जी कॉरिडोर के में दर्शन के साथ ही संगम स्नान के साथ सभी दर्शन लाभ ले सकते हैं।महाकुंभ की सुरक्षा के लिए करीब 200 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदे गए हैं। आयोजन स्थल पर पर्याप्त मैन पावर के साथ ही सीसीटीवी कैमरे, टीदर ड्रोन और एंटी ड्रोन लगाए गए हैं।

'डॉ. आंबेडकर और उनकी विरासत के अपमान के लिए माफी मांगे कांग्रेस', रविशंकर प्रसाद का पलटवार

आंबेडकर के मुद्दे पर सियासत तेज है। सोमवार को भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस को यह सब ड्रामा बंद करना चाहिए। कांग्रेस ने डॉ. बीआर आंबेडकर और उनकी विरासत का जो अपमान किया, उसके लिए पार्टी को बिना शर्त जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए।आंबेडकर के मुद्दे पर सियासत तेज है। एक ओर जहां अमित शाह के बयान पर कांग्रेस भाजपा को घेर रही है। वहीं सोमवार को भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस को यह सब ड्रामा बंद करना चाहिए। कांग्रेस ने डॉ. बीआर आंबेडकर और उनकी विरासत का जो अपमान किया, उसके लिए पार्टी को बिना शर्त जनता के सामने माफी मांगनी चाहिए।रविशंकर प्रसाद ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक टुकड़े को बिना संदर्भ के निकालकर कांग्रेस अपनी राजनीतिक हस्ती बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन देश की जनता सब समझती है। कांग्रेस की दाल नहीं गलने वाली है। कांग्रेस ने डॉ. आंबेडकर को कोई पद्म विभूषण, पद्मश्री नहीं दिया, लेकिन उनको चुनाव में हराने वाले काजरोलकर को 1970 में

पद्म भूषण दिया। उन्होंने 15 हजार वोट से आंबेडकर को हराया था। वहां नेहरू जी भी आंबेडकर के खिलाफ प्रचार करने गए थे। कांग्रेस के खिलाफ हमारे पास सारे सबूत हैं। हम भी इसे सबको दिखाएंगे। कांग्रेस और डॉ. आंबेडकर के अपमान का काला चिट्ठा हम देश को दिखाएंगे। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज देशभर में कांग्रेस कुछ नाटक कर रही है। आंबेडकर जी के प्रति उनमें बेहद प्यार उमड़ रहा है। हम कांग्रेस के चेहरे को बेनकाब करने आए हैं। कांग्रेस ने डॉ. आंबेडकर का हमेशा अपमान किया। उनको संविधान सभा का सदस्य नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने डॉ. आंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव में हरवाया। डॉ. आंबेडकर को पार्टी ने मजबूर किया कि वे कानून मंत्री पद से इस्तीफा दें। उनको कांग्रेस ने भारत रत्न भी नहीं दिया। कांग्रेस ने डॉ. आंबेडकर का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि डॉ. आंबेडकर को इस्तीफा देते समय सदन में बोलने नहीं दिया

'शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेजे भारत; अंतरिम यूनुस सरकार ने भेजा राजनयिक नोट

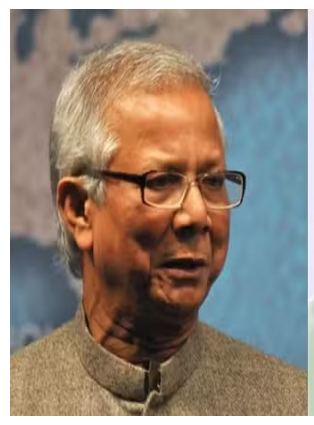

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के बीच पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। इस दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में कई लोग घायल हुए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुताबिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों घायल हुए।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को ढाका वापस भेजने के लिए भारत को एक राजनयिक नोट भेजा है। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में सोमवार इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमने भारत सरकार को एक नोट वर्बल (राजनयिक संदेश) भेजा है जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश न्यायिक प्रक्रिया के लिए शेख हसीना को वापस चाहता है। इससे पहले आज दिन में, गृह सलाहकार जहांगीर आलम ने कहा कि उनके कार्यालय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री के भारत से प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी चल रही है। उन्होंने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच प्रत्यर्पण संधि पहले से मौजूद है और संधि के तहत हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है। बीते माह इंटरपोल से मदद मांगने की भी कही थी बात- इससे पहले बीते माह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्र आंदोलन में हुई मौतों का मुकदमा चलाने के लिए उनको बांग्लादेश लाया जाएगा। इसके लिए अंतरिम सरकार इंटरपोल की मदद मांगेगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानून मामलों के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा था कि इंटरपोल के जरिये बहुत जल्द रेड नोटिस जारी किया जाएगा। चाहे ये फासीवादी लोग दुनिया में कहीं भी छिपे हों, उन्हें वापस लाया जाएगा और अदालत में जवाबदेह ठहराया जाएगा। 17 अक्तूबर को न्यायाधिकरण ने हसीना और 45 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसमें उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनके कई पूर्व कैबिनेट सदस्य शामिल हैं। पांच अगस्त से भारत में हैं शेख हसीना- बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के बीच पांच अगस्त को भारत चली गई थीं। इस दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में कई लोग घायल हुए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुताबिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 753 लोग मारे गए और हजारों घायल हुए। इस मामले में हसीना और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपराध और नरसंहार की 60 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना के खिलाफ 225 मामले दर्ज हैं, इनमें हत्या के 194, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के 16 मामले, अपहरण के तीन मामले, हत्या के प्रयास के 11 मामले और 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' की रैली पर हमले के संबंध में एक मामला शामिल है।बांग्लादेश में क्यों भड़की हिंसा?-बांग्लादेश को साल 1971 में आजादी मिली थी। आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में आरक्षण व्यवस्था लागू है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को 30 प्रतिशत, देश के पिछड़े जिलों के युवाओं को 10 प्रतिशत, महिलाओं को 10 प्रतिशत, अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था। इस तरह बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में 56 प्रतिशत आरक्षण था। साल 2018 में बांग्लादेश के युवाओं ने इस आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन किया। कई महीने तक चले प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश सरकार ने आरक्षण खत्म करने का एलान किया। 5 जून को बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने देश में फिर से आरक्षण की पुरानी व्यवस्था लागू करने का आदेश दिया। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बांग्लादेश के विश्वविद्यालयों से शुरू हुआ ये विरोध प्रदर्शन बाद में बढ़ते-बढ़ते हिंसा में तब्दील हो गया था।

अखिलेश बोले– तानाशाह बहुत दिनों तक सत्ता में नहीं रह सकता है

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सोमवार को चौधरी चरण सिंह की जयंती पर हैवरा स्थित चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज में आयोजित कवि सम्मेलन में पहुंचे। यहां उन्होंने रावण, दुर्योधन और कंस का उदाहरण देकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा।जो सत्ता में होता है वही तानाशाह होता है, यह बात हम लोगों ने बहुत पुरानी पढ़ी, देखी और समझी भी है। रामायण में भी कंस और दुर्योधन राजा था। वह महाभारत में भी पढ़ा है कि तानाशाह बहुत सोमवार को चौधरी चरण सिंह की जयंती में हुए नेता जी प्रतिमा के अनावरण और रूप में आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निशाना साधते हुए कही। उन्होंने कहा कि लगता हो कि सरकार उनकी चलती रही है। अभी तो लोकसभा में हिसाब आएगा तो न जाने कौन सा परिणाम कि जिन परिस्थितियों में हम और आप बड़ी चुनौतियां हैं। हम लोग ऐसी ताकत कुछ है कि हम और आप कल्पना भी नहीं

करने के लिए किसी का भी सहयोग ले सकते हैं। कहा कि अभी हाल ही में आपने घटना देखी होगी, जिस समय बाबा साहब के सम्मान में सभी दल के सांसद एक साथ हो गए थे और गृहमंत्री से माफी मंगवाना चाहते थे उसे भी भाजपा ने दूसरी ओर मोड़ दिया। बीजेपी के लोगों ने घटना को कैसे बदल दिया। कहा कि जो सांसद चोट खाए हैं, वह हमारे बड़े एक्टरों को फेल कर चुके हैं। फर्रुखाबाद वाले सांसद सर्टिफिकेट वाले सांसद हैं। मैंने कई मौकों पर कहा कि उन्हें इलाज और दवाई की जरूरत हो तो जो सांसद नहीं बने हैं वह एक अच्छे डॉक्टर हैं उनसे फ्री इलाज करा सकते हैं। जो लोग सत्ता में हैं उन्होंने घटना को घुमाकर किस तरह डायवर्ट कर दिया। पूरे मामले में एफआईआर दर्ज करा दी। यह उन्होंने इसलिए किया क्योंकि उनके पास तमाम लोगों का साथ है।

संपादकीय Editorial

Another aspect is this....

Just yesterday a friend was telling me that her husband has started taking medicines for depression from a psychiatrist despite having a complete family (earning and most importantly loving wife, healthy child, parents), good job and good social status in the society. It is generally believed that when there is some lack in life then a person gets stressed. Today's time is showing results contrary to this idea. Nowadays people living a single life or a life of lack get into depression, it is worth thinking that those who have all the parameters of a happy life as per the beliefs of the society are also taking medicines for depression. Nowadays a new psychological disease has emerged and that is - lack of satisfaction. Social media has eliminated the limits of achievement for every person, so wherever you reach, another path opens up in front of him. Meaning, wherever the poor person reaches, he does not get the satisfaction that he has achieved everything. In the times of our mothers and grandmothers, while making jave from flour in the afternoon, they used to eat 2 kg of jave. If a new work was completed, or a sweater was completed, or a heartfelt conversation was held (because friends were limited), the mind would be completely satisfied and instead of tiredness, people of that time lived with a freshness in their minds. But nowadays, everyone has so many friends on Facebook, Whatsapp and Instagram that no matter how many friends you talk to, the number of those with whom you could not talk always remains more, which leaves a pang and restlessness of incomplete work in our hearts. People keep watching reels on social media and Instagram, but they never seem to end, if you start watching YouTube, those reels keep going on, they never end. What I mean to say is that even after watching all this for so long, we do not get satisfaction from watching so much, rather the pang of not being able to watch more due to tiredness or compulsion of some other work remains in the mind. The stories, songs, films of social media that spread imaginary optimism in life neither let us live any sorrow fully nor let us go crazy in any happiness. The mind and brain are affected by the influence of social media. Emotions keep changing so quickly that at one point of time, a person gets entangled in his own emotions. He is unable to understand what makes him happy or what worries him. A person's mood keeps changing continuously. Earlier, elderly people of 60-70 years of age used to live a peaceful life with the feeling that they have worked a lot in their life and now they can rest. Whereas, the elderly have so many competitions, so much imaginary activity that those calm, leisurely, eager and mature elderly people who have the desire to share their life experiences are not seen anymore. Even in the evening of their life, dissatisfied elderly people complaining about life and people can be found sitting or roaming alone at the corner of every street or in a park, who start their speech with a complaint. In fact, this dissatisfaction towards life is the basis of all restlessness and depression.

Insult to the Constitution and Ambedkar, dividing the society in his name

The BJP also tried to show how the Congress ignored the basic spirit of the Constitution. If we go by the discussion on the Constitution in Parliament, then nothing was remarkable for the country and society except the Prime Minister's resolution. Politics, bureaucracy and judiciary hardly got any inspiration and direction from the discussion on the Constitution. In the winter session of Parliament, the time fixed for the discussion on the completion of 75 years of the Constitution, the ruling and the opposition parties more blamed each other. The Prime Minister certainly expressed the need to take 11 resolutions and through that underlined the responsibility of the public and its representatives. It remains to be seen whether the sense of commitment towards these responsibilities will be able to prevail or not? There is no doubt that our Constitution gives us that power, due to which today we are known as a successful nation, but this is the time to think about the challenges of the future. It was not good that no meaningful discussion could be held on these challenges. This could not happen because the opposition and especially the Congress were adamant that the Modi government was going to abolish the Constitution and reservation. Rahul Gandhi gave it the most importance. He still feels that just as he was successful in misleading the public with the slogan 'The Constitution is in danger' during the Lok Sabha elections, he will be able to do the same in the future as well. He is not ready to understand that a wooden stool does not work again and again. Since Rahul Gandhi is adamant on his stand, Priyanka Gandhi, Mallikarjun Kharge and other Congress leaders have also been forced to say that the Constitution and reservation are in danger. Other opposition parties are also supporting the Congress because they also feel that the public can be misled by making noise that the Constitution and reservation are in danger. In response to this, the BJP is also forced to answer the opposition in its own language. During the discussion on the Constitution, it counted how Indira Gandhi had shelved the Constitution during the Emergency and how Nehruji had got the Constitution amended to limit the freedom of expression the very next year after the Constitution was implemented. BJP also tried to show how Congress ignored the basic spirit of the Constitution. If we go by the discussion on the Constitution in Parliament, then apart from the Prime Minister's resolution, there was nothing remarkable for the country and society. Politics, bureaucracy and judiciary hardly got any inspiration and direction from the discussion on the Constitution. There is no denying that while India's success has emerged from our Constitution, corruption, delay in justice and other problems are the result of working against the basic spirit of the Constitution. It has to be accepted that the Constitution has not been able to make responsible people accountable for their duties. In the winter session of Parliament, the opposition and especially the Congress tried to prove that the Modi government intends to change the Constitution and abolish reservation by raising the issue of alleged insult to Ambedkar. Cheap vote bank politics is being done by raising the fear of abolition of reservation. This is futile because everyone agrees that as long as there is inequality in the society, the need for reservation will remain. That is why a special provision for reservation was made for SC-ST classes in the Constitution. Later, OBC class was also brought under the ambit of reservation. Initially, reservation for SC-ST classes was for ten years, because Ambedkar himself believed that after this period it would not be needed. This could not be done and that is why reservation continues. Reservation is a social necessity, but it is not right to prove that reservation is the only solution for the upliftment of deprived and backward classes. Can it be said that the upliftment of these classes in the past decades has been possible only due to reservation? According to an estimate, the share of SC-ST and backward classes is about 70-75 percent. Only a limited number of people from these classes get the benefit of reservation, but this does not mean that the economic upliftment of people deprived of reservation has not been possible. It is a fact that many people from the reserved class have made themselves economically and socially capable without reservation. Ambedkar himself wanted that such conditions should be created that the deprived and backward classes can make themselves capable without reservation. Congress, which was once a strong opponent of reservation, today considers reservation as the panacea to every problem and is advocating to increase its scope even though it knows that the Supreme Court has considered reservation of more than 50 percent against the basic spirit of the Constitution. It is also strange that in the name of showing loyalty to Ambedkar, Congress, which disrespected him during his lifetime, is trying to become his biggest follower. When Home Minister Amit Shah mentioned this in the Rajya Sabha, Congress got irritated. In this irritation, it raised the allegation that he insulted him. This is a ridiculous allegation. Congress is not able to defend Nehru's political mistakes as well as the neglect of Ambedkar during his time, that is why it is raising a fabricated case of his insult. The basic spirit of the Constitution is that every citizen of the country should get justice, everyone should be considered equal and the executive, legislature and judiciary should be dedicated to the welfare of the citizens of the country. This lack of dedication was visible from Nehru's reign itself and that is why the problems of the country which should have been solved long ago, have not been solved till now. To remain in power by hook or crook, the society was divided on the basis of caste and religion. Doing vote bank politics is against the spirit of the Constitution, but today hardly any political party does its politics without dividing the society. Congress, which is doing politics in the name of Ambedkar, is at the forefront in this matter. It is engaged in dividing the society by making noise about ending reservation. It is an insult to the Constitution and Ambedkar to divide the society in his name.

Bangladesh is out of control, India's concerns are not having any effect

It cannot be a mere coincidence that the series of meetings between Mohammad Yunus and Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif is increasing. Recently, both of them expressed the need to reactivate SAARC. India cannot ignore the fact that Bangladesh is trying to ignore India's contribution to its independence. The incident of targeting temples again in Bangladesh and breaking into three temples and destroying idols is telling that the concerns expressed by India and other countries regarding such incidents are not having any effect on the interim government there. Now it is also becoming clear that the head of the interim government, Mohammad Yunus, is openly playing into the hands of the fundamentalists. The proof of this is that hardly any action is taken against those accused of attacking Hindus and other minorities. Is it not strange that hundreds of incidents of attack on Hindus and minorities have taken place, but only a few attackers have been arrested. Mohammad Yunus is being soft towards those elements who are working to poison the relations between India and Bangladesh. Associates of the leaders of the interim government are engaged in making such foolish and provocative comments that Bengal, Tripura and Assam are part of Bangladesh. Since it is now clear that the Bangladesh government is not interested in stopping the persecution of Hindus, India will have to do more than just express concern. This is also necessary because even after the recent visit of the Indian Foreign Secretary to Dhaka, there is no sign of improvement in the situation. Even more worrying is that the interim government of Bangladesh is getting closer to Pakistan, whose army had carried out terrible repression and oppression of its people in 1971. It cannot be a mere coincidence that the series of meetings between Mohammad Yunus and Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif is increasing. Recently, both of them together expressed the need to reactivate SAARC. India cannot ignore how Bangladesh is engaged in ignoring India's contribution to its independence. India will have to assess what options it can use if Bangladesh does not show seriousness towards the protection of its minorities. Considering this, India should not hesitate to make it clear to Bangladesh as well as the international community that the persecution of Bangladeshi Hindus cannot be its internal matter. Not more so because crores of Hindus from there have already come to India after being persecuted. It is not enough that India should be vigilant that the persecuted Hindus in Bangladesh do not escape and enter the Indian border. Along with this, it is also necessary to take such steps so that they remain safe there. India should be and appear ready to take every possible measure for the safety of Bangladeshi Hindus. Now it is also becoming clear that the head of the interim government, Mohammad Yunus, is openly playing into the hands of the fundamentalists. The proof of this is that hardly any action is taken against those accused of attacking Hindus and other minorities. Is it not strange that hundreds of incidents of attack on Hindus and minorities have taken place, but only a few attackers have been arrested. Mohammad Yunus is being soft towards those elements who are working to poison the relations between India and Bangladesh. Associates of the leaders of the interim government are engaged in making such foolish and provocative comments that Bengal, Tripura and Assam are part of Bangladesh. Since it is now clear that the Bangladesh government is not interested in stopping the persecution of Hindus, India will have to do more than just express concern. This is also necessary because even after the recent visit of the Indian Foreign Secretary to Dhaka, there is no sign of improvement in the situation. Even more worrying is that the interim government of Bangladesh is getting closer to Pakistan, whose army had carried out terrible repression and oppression of its people in 1971. It cannot be a mere coincidence that the series of meetings between Mohammad Yunus and Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif is increasing. Recently, both of them together expressed the need to reactivate SAARC. India cannot ignore how Bangladesh is engaged in ignoring India's contribution to its independence. India will have to assess what options it can use if Bangladesh does not show seriousness towards the protection of its minorities. Considering this, India should not hesitate to make it clear to Bangladesh as well as the international community that the persecution of Bangladeshi Hindus cannot be its internal matter. Not more so because crores of Hindus from there have already come to India after being persecuted.

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण संबंधी समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण संबंधी समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर लम्बित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ससमय निस्तारण किया जाये, इसको अधिकारी अच्छे से सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता से वार्ता अवश्य करें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विभागवार आईजीआरएस पोर्टल पर लम्बित शिकायतों की समीक्षा की गयी। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को शिकायतों का समय रहते निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द्र, उपजिलाधिकारी सदर, जिला विकास अधिकारी, सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को उद्योग बंधुओं की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में उद्योग बंधुओं द्वारा प्रस्तुत की गयी विभिन्न समस्याओं पर बिन्दुवार चर्चा की गयी। बैठक में पाकबाड़ा जंक्शन फ्लाईओवर के नीचे जाम की स्थिति के निवारण हेतु दो सुरक्षा कर्मियों को तैनात किए जाने संबंधी समस्या पर पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि उक्त स्थल पर कार्यवाही कर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए गये हैं। बैठक में वीरपुर की सड़कों की हालत खराब होने से संबंधित, औद्योगिक क्षेत्र वीरपुर/सब्जीपुर में नेशनल हाईवे का सर्विस रोड दिए जाने संबंधी, कांठ रोड पर लदावली में सड़कों की मरम्मत संबंधी, कांठ रोड पर अगवानपुर ओवरब्रिज की लाईट खराब होने संबंधी इत्यादि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उक्त समस्याओं से संबंधित अधिकारियों को यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये। इसके साथ ही बैठक में निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा उपरान्त लम्बित प्रकरणों पर समीक्षा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने लम्बित प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री योगेश कुमार, एमडीए सचिव श्रीमती अंजुलता, अपर नगर आयुक्त श्री अतुल कुमार, एसपी टैऊफिक, सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं उद्योगबंधु उपस्थित रहें।

किसान दिवस पर 38 किसानों को किया गया सम्मानित, चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

मुरादाबाद- सोमवार को भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती को किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया। पंचायत भवन में किसान गोष्ठी एवं किसान मेले में जनपद के 38 किसानों को सम्मानित किया गया। इससे पहले जिला अधिकारी अनुज सिंह, सीडीओ सुमित यादव ने किसान मेले एवं किसान गोष्ठी का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर किसानों के साथ देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।सोमवार को पंचायत भवन लगे किसान मेले में कृषि से संबंधित स्टॉल पर कृषि उत्पादन मंडी, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन समेत अन्य विभागों के स्टॉल पर मौजूद विशेषज्ञों से जिला अधिकारी ने कृषि से संबंधित खाद-बीज और मिलेट्स से बने उत्पाद के बारे में जानकारी की।पंचायत भवन में किसान गोष्ठी एवं किसान मेले में लगे स्टॉल पर खेती से संबंधित जानकारी करते जिला अधिकारी अनुज सिंह, सीडीओ सुमित यादव, उप निदेशक कृषि संतोष कुमार। इसके बाद पंचायत भवन सभागार में मौजूद किसानों को सरकार द्वारा उनके लिए चलाई गई योजनाओं के बारे में अलग-अलग विभाग के अध्यक्षों ने जानकारी दी। वहीं किसान सम्मान के लिए 2023 में गन्ना फसल के कप कटिंग के परिणाम के आधार पर 38 किसानों को जिला अधिकारी अनुज सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव ने सम्मानित किया।

नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद- कर्ज चुकाने के लिए फर्जी वेब सीरीज देख कर नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मझोला पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख 74 हजार 550 रुपये की जाली करेंसी समेत नकली नोट बनाने वाले उपकरणों को बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टंकी के पास जयंतीपुर निवासी मास्टर माइंड आदिल, राजा का सहसपुर बिलारी के मोहम्मद नाजिम और नई आबादी निवासी शबाब अख्तर उर्फ राहुल के रूप में हुई है। तीनों आरोपियों को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। बता दें कि पुलिस को लंबे समय से नकली नोटों को लेकर बाजारों से शिकायतें आ रही थी। इसी क्रम में मझोला पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीनों को रुपयों की जरूरत थी। जबकि, एक के ऊपर कुछ कर्ज हो गए थे। तीनों मिलकर काफी समय तक नकली नोटों को छापने की जानकारी जुटाई। उसके बाद आरोपियों ने कई बार फिल्म अभिनेता शाहिद कपूर की फर्जी वेब सीरीज देखकर नकली नोट छापने का तरीका सीखा। उसके बाद तीनों मिलकर असली नोट को मशीन से प्रिंट करते हुए स्कैनर से अन्य रूपरेखा असली नोट की तरह तैयार करते थे। पैमाने व कटर के माध्यम से कटिंग करके चमकीला टेप लगाकर तैयार किये गए नोटों को अन्य जनपदों व ग्रामीण इलाके में जगह-जगह असली के रूप में चलाते हैं। यह गिरोह करीब तीन लाख रुपये के जाली नोटों को बाजार में खपा चुका है। तथाकथित पत्रकार बन घूमने लगा था आदिल-आदिल बेहद शातिर अपराधी है। उसने अपने इस काले साम्राज्य को छिपाने के लिए तथाकथित पत्रकार बन गया। पिछले दो सालों में वह प्रेस फोटोग्राफर की तरह काम करने लगा। धीरे-धीरे लोगों में घुल मिल गया। आरोपी अपने अड्डे पर जाली करेंसी छापता था और बाकी वक्त में मीडिया के बीच घुला-मिला रहता था।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल जा रही छात्रा से छेड़छाड़, विरोध करने पर शोहदे ने फाड़े कपड़े

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर शोहदे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मुरादाबाद- मूंढापांडे थाना क्षेत्र में स्कूल जा रही 12वीं की छात्रा के साथ एक शोहदे ने छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसने किशोरी के कपड़े फाड़ दिए। स्थानीय पुलिस से शिकायत की गई। लेकिन, मामले में कोई कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने एसएसपी सतपाल अंतिल से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने बताया कि उसकी बेटी कक्षा-12वीं में पढ़ाई करती है। आरोप है कि गांव का गौरव स्कूल जाते और आते समय उसे रोककर अश्लील हरकते करता है। 9 दिसंबर को आरोपी गौरव ने उसके साथ अश्लील हरकते कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उसके कपड़े फाड़ दिए। आरोप है कि आरोपी के परिजनों से शिकायत की गई तो उन्होने ने भी बेटे का पक्ष लेते हुए उसे सही बताया और कहा कि वह ऐसा ही करेगा जो करना है कर लो। आरोपी और उसके पिता किशनपाल के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

दूसरी के लिए पहली पत्नी को बताया मृतक, फिर रेलवे कर्मी ने कर ली एक और शादी

अस्पताल में अन्य के नाम से कराया भर्ती, पत्नी को लगी भनक

मुरादाबाद- कांठ थाना क्षेत्र में एक रेलवे कर्मी ने अपनी पहली रेलवे कर्मी पत्नी को मृतक बता कर दूसरी शादी कर ली। उसे अस्पताल में पति के स्थान पर दूसरे का नाम बता कर भर्ती कराया। जहां पर महिला ने बच्चे को जन्म दिया। पीड़िता ने मामले की शिकायत उप महानिरीक्षक मुनिराज जी से की। डीआईजी के आदेश पर कांठ पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के जूनियर क्लर्क मैकेनिकल विभाग, कैरिज एंड वैगन डिपो निवासी अल्का ने बताया कि उसकी शादी तनुज चौहान निवासी मोहल्ला फकीर गंज के साथ 19 अप्रैल 2019 को हुई थी। उसके उपरांत कपल वेश पर उसके पति तनुज चौहान का अंतर रेलवे स्थानांतरण अहमदाबाद मंडल से मुरादाबाद मंडल में रेलवे के इलेक्ट्रिक विभाग के टेक्नीशिन ग्रेड के पद पर वर्ष 2020 में पोस्टिंग हुई। आरोप है कि पोस्टिंग पर आने के बाद पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। परेशान होकर उसने अपने पति समेत ससुराल वालों के खिलाफ थाना नौगांवा में रिपोर्ट दर्ज कराई।

जो न्यायालय अमरोहा में विचाराधीन है। उसके बाद उसका पति अलग रहने लगा। जिसका फायदा उठाकर वह ऑफिस में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी सुनीता ने सरकारी नौकरी के लालच में छोटी बहन सरिता उधम सिंह नगर को घर बुलाकर उनके पति से मिलवाया। आरोप है कि सुनीता ने अपने पिता और सम्बन्धियों को पहली पत्नी अल्का को मृतक बताते हुए काशीपुर मंडप में उनके पति की दूसरी शादी करवा दी। आरोप है कि 15 अगस्त 2024 को वरदान क्लिनिक में अवैध पत्नी सरिता ने बेटे को जन्म दिया। क्लीनिक उनके पति के फुफेरे भाई डॉ. पवन कुमार का है। इसी वजह से साक्ष्यों को छुपाते हुए अधूरी जानकारी पुलिस को दी गई । वरदान क्लिनिक से प्राप्त डिलिवरी के लिए स्वीकृति पत्र में उनकी सास रेखा ने स्वीकृति पत्र में सरिता को अपनी बहु बताया है। जबकि तनुज चौहान अपनी माता के इकलौते पुत्र हैं। साथ ही सास रेखा और ससुर का मोबाइल नंबर भी उसमें दर्ज किया गया। सास के हस्ताक्षर भी स्वीकृति पत्र में अंकित हैं। पीड़िता ने सुनीता देवी और सरिता पर उसे मृतक बताकर की गई शादी का दोबारा से जांच कराने की मांग की है। मामले में डीआईजी के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पीड़िता ने मामले की शिकायत उच्चाधिकारी से की थी। उच्चाधिकारियों के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी साक्ष्य पाए जाएंगे उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुदृढ़ीकरण एवं कृषि जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी एवं किसान मेले का आयोजन किया गया

भारत रत्न स्व0 श्री चैधरी चरण सिंह (भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत सरकार) के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर किसान सम्मान दिवस एवं कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषि जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी एवं किसान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग एवं अन्य सहयोग विभागों के विभिन्न स्टॉल लगाये गये जिसका निरीक्षण जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा कृषि यंत्रीकरण के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कस्टम हायरिंग सेन्टर से लाभान्वित सर्वे शक्ति फार्मर प्रोड्यूशर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) को टैऊक्टर की (चाभी प्रतीक रुप में) देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने चैधरी चरण सिंह जी की पुण्य तिथि पर वहां उपस्थित सभी किसान बंधुओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि चैधरी चरण सिंह जी के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला साधारण परिवार से निकलकर प्रधानमंत्री तक पहुंचे है यह पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे कर्तव्यपरायण व्यक्तित्व के सख्यियत थे। जिलाधिकारी ने दिखाता है कि वह कितने जुझारु व किसान संबंधी सहित बहुत सारे सकारात्मक परिवर्तन लाने बताया कि उन्होंने जमीन संबंधी, रत्न दिया गया यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। का कार्य किया है। उनको 2024 में भारत किसानों से गो-आधारित कृषि को प्रोत्साहित करने की कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने उपस्थित कृषकों से कहा कि मोटे अनाज की कृषि को भी बढ़ाने अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कृषि उत्थान के लिए नई-नई टैक्नोलॉजी को बढ़ावा दे की जरुरत है। उन्होंने कहा कि सरकार होगी। इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों रही है, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि करने के संबंधित को निर्देश दिए। उन्होंने कृषकों को नई- की समस्याओं को सुनकर निराकरण सोलर, सोलर पंप, सोलर फैसिंग, मृदा स्वास्थ कार्ड संबंधी नई टैक्नोलॉजी अपनाने हेतु जैसे रुपटाफ उन्होंने कृषकों से आर्गेनिक खेती को भी बढ़ाने हेतु अपील अन्य विषयों पर भी चर्चा की गयी। अधिकारी द्वारा चैधरी चरण सिंह जी के स्वतंत्रतापूर्व एवं की। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने कृषकों से नई-नई स्वतत्रंता पश्चात् किए गये योगदानों पर फर्टिलाईजरों का कम इस्तेमाल करने हेतु अपील की।मुख्य टैक्नालॉजी को अपनाने एवं विकास अधिकारी श्री सुमित यादव ने चैधरी चरण सिंह जी के स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात् किए गये कार्यो पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानो को कृषि में नई-नई टैक्नोलाजी को इस्तेमाल करने एवं उर्वरकों का कम से कम इस्तेमाल करने पर जोर दिया। उन्होंने कृषकों को पराली न जलाये जाने की सलाह देते हुए उनको आश्वस्त किया कि कृषकों के हित के लिए जो भी सहयोग/सहायता की आवश्यकता होगी उसे प्रशासन द्वारा प्रदान किया जायेगा और कृषकों की समस्याओं के निस्तारण हेतु उचित कार्यवाही की जाएगी। किसान सम्मान समारोह में कृषि विभाग, उद्यान, गन्ना एवं पशुपालन में अधिक उत्पादकता के आधार पर कुल 38 कृषकों को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक, उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा), श्री चैधरी ऋषिपाल, श्री सत्येन्द्र चैधरी एवं विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले 19 कृषकों को रू0 7000ध्- एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले 19 कृषकों को रू0 5000/- की दर से उनके खाते में स्थानान्तरित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार के रूप में 30 अन्य किसानों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। श्री संतोष कुमार द्विवेदी, उप कृषि निदेशक, मुरादाबाद ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। कृषि विज्ञान केन्द्र ठाकुरद्वारा के वैज्ञानिक डा0 हसन तनवीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र बिलारी के वैज्ञानिक डा0 मनोज चैधरी द्वारा कृषि के विषय में तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी। उद्यान, गन्ना, पशुपालन इत्यादि विभाग के अधिकारियों ने भी अपने विभागीय योजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान किये। श्री प्रशान्त कुमार, उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद द्वारा कृषि रक्षा के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। श्री जीवन प्रकाश, संयुक्त कृषि निदेशक, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद द्वारा स्व0 श्री चैधरी चरण सिंह के जीवन की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए कृषि विभाग की योजनाओं के विषय में विस्तार से अवगत कराये। गन्ना समिति कॉठ के निदेशक, श्री गौरव कुमार, ने गन्ना की पत्ती एवं फसल अवशेष न जलाये जाने तथा उसको सड़ा कर खाद बनाने से होने वाले लाभ के विषय विस्तार से चर्चा करते हुए पराली न जलाये जाने का आह्वान किये। जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा श्री सत्येन्द्र चैधरी, कृषक श्री चैधरी ऋषिपाल, कृषक श्री सत्यवीर सिंह मान, श्री नरेन्द्र प्रताप, श्री श्याम विजय सिंह, श्री धर्मेश चैधरी इत्यादि विभिन्न किसान संगठन के पदाधिकारियों द्वारा स्व0 श्री चैधरी चरण सिंह की जीवनी पर विस्तार से चर्चा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, संयुक्त निदेशक कृषि मुरादाबाद, उप निदेशक कृषि श्री संतोष कुमार द्विवेदी, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, एसओसी, भूमि संरक्षण अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं प्रगतिशील किसानबंधु उपस्थित रहें।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आबकारी मंडलीय प्रधान सिपाही और सिपाही चुनाव में सागर अध्यक्ष एवं अजय यादव महामंत्री निर्विरोध चुने गए

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। बरेली मंडलीय प्रधान सिपाही और सिपाही एवं महिला सिपाही आबकारी विभाग के दो वर्षीय अध्यक्ष और महामंत्री चुनाव बरेली आबकारी कार्यालय में संपन्न कराया गया जिसके मंडलीय संरक्षक अनुज सक्सेना और मंडलीय प्रभारी सादिक ने बताया कि मंडल के चारों जिले बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर के 105 वोटरों में लगभग 90 प्रधान आबकारी सिपाही एवं सिपाही और महिला आबकारी सिपाही उपस्थित रहे। वोटिंग न कराकर चुनाव निर्विरोध ही संपन्न हो गया जिसमें मंडलीय अध्यक्ष सागर और महामंत्री अजय यादव को चुना गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष जय भीम सिंह और प्रदेश महामंत्री पंकज यादव, उपाध्यक्ष पंकज भास्कर,संयुक्त महामंत्री नईम उद्दीन के चुनाव करने के लिए बरेली आबकारी विभाग कार्यालय पर मौजूद होकर निर्विरोध चुने गए दोनों विजय दावेदार सागर और अजय यादव को सभी ने शुभकामनाएं दीं ।।

बरेली गौसगंज प्रकरण: पुलिस सुरक्षा में गांव लौटे दूसरे समुदाय के छह परिवार, हर दरवाजे पर सिपाही तैनात

शाही थाना क्षेत्र के गांव गौसगंज में दूसरे समुदाय के छह परिवारों को पुलिस सुरक्षा में दोबारा बसाया गया। सुरक्षा के लिहाज से गांव में 16 सीसीटीवी कैमरे, पुलिस चौकी की स्थापना के साथ ही डेढ़ सेक्शन पीएसी तैनात की गई है। बरेली के शाही थाना क्षेत्र के गौसगंज गांव में 19 जुलाई को हुए सांप्रदायिक बवाल के बाद दूसरे समुदाय के लोग अपने घरों को बंद कर चले गए थे। दहशत के कारण पलायन करने वाले छह परिवारों को पुलिस ने सोमवार को सुरक्षा देते हुए गौसगंज में बुलाकर दोबारा बसाया।सोमवार की सुबह करीब 11 बजे दूसरे समुदाय के कई परिवार थाना पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा और गांव में दोबारा बसाने की मांग की। उनकी मांग पर सीओ सिटी पंकज कुमार और सीओ मीरगंज गौरव कुमार ने गंभीरता से विचार विमर्श करते हुए ऐसे छह परिवारों को चिन्हित किया, जो किसी भी मुकदमे में वांछित नहीं रहे हैं। इनमें अख्तर अली का परिवार चार सदस्यों के साथ, रुखसाना और उनकी पुत्री, फरजाना, फरीदन व उनके पुत्र, साहिल अपनी मां रुखसाना और दो भाइयों के साथ एवं तस्लीम का परिवार पुलिस सुरक्षा में वापस अपने घर पहुंचे। सभी ने गांव पहुंचकर राहत की सांस ली। प्रत्येक परिवार के दरवाजे पर सुरक्षा के लिए एक सिपाही की तैनाती की गई है। गांव में पुलिस चौकी स्थापित करके सीसीटीवी कैमरा से निगरानी की जा रही है। इस मौके पर सीओ प्रथम पंकज कुमार, सीओ मीरगंज गौरव कुमार, उप जिलाधिकारी तृप्ति गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव शुक्ला भी मौजूद रहे। दूसरे पक्ष के लोगों में आक्रोश -दूसरी ओर दूसरे पक्ष के लोगों में पुलिस द्वारा समुदाय विशेष के परिवारों को बसाने पर आक्रोश दिखा। उनका कहना है कि पूर्व प्रधान हीरालालने बताया कि चार माह से उनकी किसी मांग पर पुलिस व अन्य प्रशासन के लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं। ना ही उनको लाइसेंस प्रदान किया गया है। ना ही मृतक बेटे की पत्नी को सरकारी नौकरी दी गई है। ऐसे में दूसरे समुदाय के लोग से सामंजस्य बन पाना मुश्किल है।ये है मामला-19 जुलाई को हुए सांप्रदायिक बवाल में पूर्व प्रधान हीरालाल के पुत्र तेजपाल की मौत हो गई थी और दर्जनभर लोग घायल हुए थे। इसमें पूर्व प्रधान हीरालाल की तहरीर पर दूसरे समुदाय के 50 नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद से आरोपी गांव छोड़कर चले गए थे। इस मामले में फिलहाल, करीब 50 लोग जेल में बंद हैं।

वेल्डिंग करने के दौरान तेज धमाके के साथ फटा टैंकर ,हादसे में टैंकर का ड्राइवर कंडक्टर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली के आंवला में वेल्डिंग करने के दौरान तेज धमाके के साथ टैंकर की बॉडी फट गई। आवाज सुनते ही अफर-तफरी का माहौल हो गया। हादसे में टैंकर का ड्राइवर और कंडक्टर घायल हो गए। इलाज के लिए घायलों को जिला अस्पताल भेज गया। बरेली जिले की तहसील आंवला का है। सोमवार सुबह करीब 8.45 बजे वेल्डिंग करने के दौरान टैंकर की बॉडी फट गई। जानकारी के मुताबिक आईओसी का टैंकर बरेली में तेल खाली करके आंवला गया था। चालक गणेश उर्फ रवि(38 साल) और क्लीनर ओमपाल(40 साल) ट्रक के कुछ हिस्से में वेल्डिंग कराने के लिए आंवला में अलीगंज अड्डे पर रुके। वेल्डिंग कराने के दौरान टैंकर में स्टीम बन गई और तेज धमाके के साथ टैंकर की बॉडी फट गई। इस दौरान ड्राइवर और कंडक्टर घायल हो गए। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड भी पहुंची। आंवला उपजिलाधिकारी नहाने राम समेत इंडियन ऑयल के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की मदद से ट्रैंकर में लगी आग को बुझाया गया। साथ ही घायलों को आंवला सीएचसी भेजा, वहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया ।।

मौसम खेल रहा लुकाछुपी का खेल: बारिश के बाद पड़ेगी कड़ाके की ठंड, जानें कैसा बीतेगा क्रिसमस; आपके जिले का हाल?

इस बार मौसम लुकाछुपी का खेल, खेल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश के बाद कड़ाके की ठंड पड़ेगी। आगे पढ़ें और जानें क्रिसमस कैसा बीतेगा ? और आपके जिले का हाल क्या है?यूपी में इस बार दिसंबर की रातें तो सर्द हो रही हैं लेकिन दिन में धूप की तपिश भी बरकरार है। वैसे तो हर साल क्रिसमस तक कड़ाके की सर्दी होने लगती थी। स्वेटर और जैकेट के साथ टोपी और मफलर जरूरी हो जाता था मगर इस दिसंबर के आखिरी हफ्ते में भी दिन में धूप की तपिश तो वहीं रात के औसत तापमान में बढ़त दर्ज की गई है।मौसम विभाग की मानें तो नए विकसित हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले दो-तीन दिन मौसम की लुका छुपी का खेल जारी रहेगा। तापमान में बदलाव के साथ प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इस बीच दिन का तापमान घटेगा और रात के पारे में उछाल देखने को मिलेगा। यहां छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है 26 से 28 के बीच बारिश के साथ ही बादलों की मौजूदगी से दिन के पारे में उल्लेखनीय गिरावट आएगी। सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में तापमान में हल्की गिरावट के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं कहीं बूंदाबांदी देखने को मिली। मंगलवार को भी दक्षिणी यूपी व बुंदेलखंड के इलाके में छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है।गलन व ठिठुरन बढ़ जाएगी-आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक पश्चिमी यूपी में हल्की बूंदाबादी के बाद, नए पश्चिमी विक्षोम के असर से राजधानी लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में क्रिसमस के बाद 26 से 28 दिसंबर के बीच कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश होगी। इसके बाद दिन व रात दोनों के तापमान में अच्छी गिरावट दर्ज की जाएगी और गलन व ठिठुरन बढ़ जाएगी।

शादी का झांसा देकर ठगने वाला गिरोह चढ़ा हत्थे, जालौन की युवती बनती थी दुल्हन, सजेती की महिला बनती थी मां

शादी का झांसा देकर ठगने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा है। गिरोह अब तक छह लोगों को ठग चुका है। बुंदेलखंड व कानपुर के आसपास के जिलों में इनका नेटवर्क है।बुंदेलखंड और कानपुर के आसपास के जिलों में शादी का झांसा देकर लोगों को ठगने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। एक युवक की शिकायत पर पुलिस ने गिरोह में शामिल दो महिलाओं समेत चार को पकड़ लिया। गिरोह नोटरी के माध्यम से शादी कराते युवती दुल्हन बनती थी।देहात कोतवाली कि शादी कराने के नाम पर उससे ठगी रविवार को महोखर गांव चौराहे से पुलिस वह ऐसे लोगों को शिकार बनाते थे, पैसा लेकर गिरोह की युवती से शादी करा लेकर भाग जाती थी।अपर पुलिस बरछा गांव निवासी विमलेश वर्मा, कानपुर संजना और जालौन के माधौगढ़ की ज्योति थी। नोटरी से शादी कराई जाती थी। ज्योति भी पता चला है। पुलिस उनकी तलाश चार मोबाइल, पांच हजार रुपये और दो गिरफ्तार आरोपियों के पास से चार गिरफ्तारी टीम में एसआई दीपक कुमार, शामिल रहे।आधार कार्ड न देने पर हुआ ठगी का अहसास देहात कोतवाली में जमालपुर गांव निवासी पीड़ित शंकर उपाध्याय (37) ने बताया कि उसकी शादी नहीं हो रही थी। एक माह पूर्व उसकी मुलाकात बदौसा थाना क्षेत्र के बरछा गांव निवासी विमलेश वर्मा से हुई। उसने शादी कराने की बात कही थी। कहा कि उसके संपर्क में कई लड़कियां हैं। वह शादी कराने का काम करता है, लेकिन डेढ़ लाख रुपये खर्च करना पड़ेगा। वह झांसे में आ गया। 21 दिसंबर को विमलेश वर्मा ने कहा कि बांदा कचहरी आ जाओ मैं लड़की लेकर आया हूं। तुम लड़की पसंद कर लो। जब वह बांदा कचहरी पहुंचा तो उसके साथ विमलेश व अन्य लोग थे। उन्होंने डेढ़ लाख रुपये मांगे। लड़की का ठिकाना पता लगाने के लिए आधार कार्ड मांगा तो दूसरे लोगों के नाम पता दिए थे। इससे ठगी का एहसास हो गया था, तब उसने देहात कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। फर्रुखाबाद, उरई, कानपुर के लोग भी शिकार-देहात कोतवाली प्रभारी आनंद कुमार ने बताया कि इस गिरोह के ठगी के शिकार फर्रूखाबाद, उरई, मध्य प्रदेश के शेवपुर, कानपुर, बांदा के दो लोग हैं। दलाल विमलेश वर्मा अतर्रा निवासी व्यक्ति की शादी कराने में जेल भी जा चुका है। पुलिस संबंधित जिलों से रिकार्ड मंगा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोकदल ने बड़ी धूमधाम से किसानो के मसीहा चौधरी चरण सिंह की 122 वीं जयंती मनाई

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

राष्ट्रीय लोक दल जिलाध्यक्ष मोहम्मद मतलूब एड0 के नेतृत्व में किसान मसीहा भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की 122 वी जयंती किसान दिवस के रूप में चौधरी चरण सिंह पार्क कचहरी पर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण फिर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिलध्यक्ष मोहम्मद मतलूब एड0 किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह जी के जीवन उनकी विचारधारा उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक जी ने किया पार्टी पदाधिकारीओ ने विचार रखें इस मौके पर राष्ट्रीय लोक दल के सम्मानित साथी डॉ अयूब अंसारी विजय बहादुर सक्सेना कमलजीत सिंह कुलदीप सिंह पवार मीरा चौधरी गीता सिंह राजवीर उपाध्याय उपदेश सिंह चौधरी चमन सिंह चौधरी ओमबेस वीरेंद्र गंगवाल किस्मत अली खान अफसर अली खान शाकिर मंसूरी अफसर भाई जोगी नवादा मोहम्मद अबरार खान मुस्तफा खान मुबारक पहलवान ओमपाल कश्यप एडवोकेट सुशील पॉल साकिर खान हाजी दूल्हा खान हांजी असगर अली देवकीनंदन पटेल नंदकिशोर मिश्रा सहित सैकड़ो साथी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।।

धूमधाम से मनाया गया प्रभु ईसा मसीह का जन्मोत्सव, जुटे सर्वसमाज के लोग

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।सेंट पॉल कान्वेंट स्कूल एवं मसीही कलीसिया चर्च प्रांगण में सोमवार को क्रिसमस का पर्व बड़ेही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चर्च प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा समिति, कल्याण समिति बरेली डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की इस मौके पर प्रधानाचार्या रूथ पॉल ने प्रभु ईसा मसीह के जन्मदिन के सन्दर्भ में विस्तार से बताया।इस मौके पर रेव्ह संजय पॉल शालिनी रॉय, साहिबा खान,एंजिल डिकेम्प , रेचल सिंह,देवना चौधरी, सरिता श्रेष्ठ, रीना सिंह, अनुपमा सिंह, शशांक सिंह, भावना पाठक,मोनिका कनौजिया, समर्थ समयेल, सुजाता मेसी,पंकज सक्सेना, प्रदीप कुमार गुप्ता, कृष्ण कुमार शर्मा, सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

वीरबाल दिवस संगोष्ठी में का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।आर्य समाज इण्टर कॉलेज सुन्दरी में सोमवार को वीर बाल दिवस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में पहुंचे मुख्य वक्ता शिवमंगल सिंह राठौर प्रदेश प्रमुख शोध विभाग भाजपा ओबीसी मोर्चा उत्तर प्रदेश ने सिखों के दसवें गुरु के दोनों बेटे सरदार जोरावर सिंह, सरदार फतेह सिंह के बलिदान और अत्याचारी औरंगजेब के काले कारनामे से बच्चों को संगोष्ठी के माध्यम से अवगत कराया।इस दौरान वीरेन्द्र सिंह, नत्थू लाल आर्य, जयदीप सिंह, प्रेमपाल गंगवार, रमेश गंगवार,मुनीश गंगवार,गिरिजा शंकर सहित कालेज का समस्त स्टाफ और छात्र -छात्राएं मौजूद रहे।

चाचा विधायक हैं के बाद अब विधायक प्रतिनिधि हूं, बोला- औकात दिखा दूंगा, तुम्हारी और JE की नौकरी खा जाऊंगा

बिजली बिल न जमा होने से कनेक्शन काटने पर उपभोक्ता और उसके बेटे भड़क गए। उन्होंने बिजली कर्मियों को धमकी दी। इसका वीडियो भी सामने आया है। जेई ने तहरीर दी है। पुलिस पड़ताल में जुटी है। यूपी के रायबरेली में बिजली कनेक्शन काटने पर एक उपभोक्ता और उसके परिवार के लोग जेई और बिजली कर्मियों पर भड़क गए। उनको धमकी दी। यहां तक गालीगलौज भी की। घटना के दौरान पुलिस भी मौजूद थी। लेकिन, वह मूकदर्शक बनी रही। घटना के बाद बिजली कर्मियों की टीम गांव से लौट गई। सोमवार को बिजली कर्मियों को धमकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जेई की शिकायत पर पुलिस घटना की जांच कर रही है।बिजली उपकेंद्र अटौरा बुजुर्ग के जेई संजय भारती की ओर से गुरुबख्शगंज थाने में दी गई तहरीर में बताया कि रविवार को अनुज कुमार, दिनेश कुमार, इम्तियाज अली, सुधीर कुमार, दुर्गेश, अमित कुमार, संदीप, राजकुमार समेत अन्य बिजली कर्मियों के साथ पूरे लाला गांव गए थे। हम लोग ओटीसीएस योजना के तहत राजस्व वसूली कर रहे थे। बिजली का बिल जमा न करने पर कनेक्शन भी काट रहे थे। लोगों के साथ लाठी-डंडे लेकर धमकाया इस दौरान गांव के एक उपभोक्ता का बिजली का बिल बकाया होने पर कनेक्शन काटा गया। इसी दौरान उपभोक्ता अपने बेटे व अन्य दो लोगों के साथ लाठी-डंडे लेकर आया। धमकाना शुरू कर दिया। गाली-गलौज करते हुए जानसे मारने की धमकी दी। कहा कि बिजली की लाइन नहीं जोड़ा तो जान से मार देंगे। मामले को दबाने में जुटी पुलिस- इस घटना से गांव में ओटीएस योजना का कार्य बाधित हो गया है। बिजली कर्मियों में भी दहशत है। गुरुबख्शगंज थाने और अटौरा चौकी पुलिस प्रकरण को दबाने में जुटी रही। यही वजह रही कि जेई के तहरीर देने के बाद भी सोमवार की देर शाम तक प्रकरण में केस दर्ज नहीं किया गया। थाने पर तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी-थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि जेई ने घटना की तहरीर अटौरा चौकी में दी है। अटौरा चौकी में तो एफआईआर दर्ज नहीं होती। थाने पर तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी। उधर, विवेचक अटौरा चौकी प्रभारी नितिन मलिक ने बताया कि प्रकरण जानकारी में आया है। जांच कराई जा रही है।

मेरठ से अगवा, गाजियाबाद में सूटकेस के अंदर मिली थी लाश; पुलिस ने कर दिया सुपुर्द-ए-खाक

गाजियाबाद पुलिस ने गांव अबूपुर के चौकीदार तौसिफ की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। 72 घंटे बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हुई तो पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव दफना दिया।मेरठ स्थित लिसाड़ी गेट क्षेत्र के तारापुरी से करीब ढाई वर्ष पूर्व अगवा बालक जुनेद की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्यारों ने शव सूटकेस में रखकर गाजियाबाद के निवाड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस चौकी के पास फेंक दिया था। 17 दिसंबर को पुलिस को शव मिला। पोस्टमार्टम के बाद शव को लावारिस में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। रविवार को गाजियाबाद पुलिस लिसाड़ी गेट पहुंची। पुलिस के फोटो दिखाने पर परिजनों जुनेद की शिनाख्त की।घर के बाहर से हो गया था गायब-तारापुरी निवासी रियाजुद्दीन मजदूरी करता है। जुलाई 2022 में उनका पुत्र आठ वर्षीय जुनेद घर के पास खेल रहा था। तभी उसे अगवा कर लिया गया। परिजनों ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। परिजनों और पुलिस के काफी तलाश करने के बाद भी जुनेद का कोई सुराग नहीं मिला था। मंगलवार को गाजियाबाद के निवाड़ी क्षेत्र में गंगनहर की पटरी के पास लाल रंग का सूटकेस मिला।जुनेद के एक हाथ में बंधा था प्लास्टर-पुलिस ने सूटकेस खोलकर देखा तो उसमें बच्चे का शव था। उसके हाथ में प्लास्टर बंधा हुआ था। बच्चे ने लाल रंग की जर्सी और काला लोअर पहना हुआ था। गाजियाबाद पुलिस ने गांव अबूपुर के चौकीदार तौसिफ की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। 72 घंटे बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हुई तो पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव दफना दिया। सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार का कहना है कि गाजियाबाद पुलिस आई थी। फोटो के आधार पर बच्चे के परिजनों ने पहचान की है। गाजियाबाद पुलिस ही मामले की जांच कर रही है।

नए साल के जश्न के लिए लूट: शराब सेल्समैन ने दोस्तों संग मिलकर बनाई थी योजना, ऐसे दिया वारदात को अंजाम

आजमगढ़ जिले की पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। लूट की वारदात में सेल्समैन की अहम भूमिका सामने आई है।आजमगढ़ जिले के मेंहनगर थाने की पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को जाफरपुर में बीयर की दुकान पर लूट की घटना को अंजाम देने वाले छह आरोपियों को मगरावां मोड़ से विषहम की तरफ जाने वाले रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के 30 हजार रुपये, तमंचा, कारतूस, मोबाइल और दो बाइक बरामद किया। उक्त आरोपियों ने सेल्समैन की मदद से लूट की घटना को अंजाम दिया था। आरोपियों ने बताया कि उन्हें नए साल के जश्न के लिए पैसे की जरूरत थी। इसी को लेकर इस घटना को अंजाम दिया।यह है पूरा मामला- एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने बताया कि मेंहनगर थाना क्षेत्र के जाफरपुर में स्थित बीयर की दुकान पर सिधारी थाना क्षेत्र के पल्हनी गांव निवासी आलोक राजभर उर्फ अभिषेक सेल्समैन का काम करता था। उसके कहने पर 12 दिसंबर को बीयर की दुकान के मालिक ने लूट होने का मुकदमा पंजीकृत कराया था। पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल में जुटी थी। पुलिस के हत्थे ऐसे चढ़े आरोपी-इसी बीच सोमवार को मेंहनगर थाने की पुलिस अपनी टीम के साथ मगरावां मोड़ से विषहम की तरफ जाने वाले रोड पर करीब 200 मीटर आगे जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से 30 हजार रुपये नगद, पांच मोबाइल व घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल, तमंचा, कारतूस और दो बाइक बरामद हुआ। सेल्समैन ने बनाई थी लूट की योजनाअतरौलिया थाना क्षेत्र के बूढ़नपुर निवासी आरोपी सत्यम कुमार ने बताया कि बीयर की दुकान का सेल्समैन आलोक उसका दोस्त है। उसने कहा कि मेरा मालिक ठीक नहीं है। आज मुझे मारपीट कर बीयर की बिक्री का पैसा उठा ले जाओ, मैं मालिक को लूट की घटना बता दूंगा। इसी योजना के तहत आरोपी सत्यम दोस्तों के साथ दुकान पर पहुंचकर 28 हजार रुपये व दो पेटी बीयर और आलोक का मोबाइल लेकर चला गया। आरोपी बीयर को दो हजार रुपये में बेच दिए। सोमवार को आलोक ने रुपये का बंटवारा करने के लिए बुलाया था कि पुलिस ने पकड़ लिया। इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी- पकड़े गए आरोपियों में सिधारी थाना क्षेत्र के पल्हनी गांव निवासी आलोक राजभर उर्फ अभिषेक, अतरौलिया थाना क्षेत्र के बूढ़नपुर के सत्यम कुमार, सौरभ कुमार, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के रतनावे गांव निवासी साहिल राजभर उर्फ शिवम राजभर, अतरौलिया थाना क्षेत्र के पलया करौदी गांव निवासी विजय राजभर व साहिल राजभर शामिल है। पुलिस ने 30 हजार रुपये, घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल, अन्य पांच मोबाइल, दो बाइक व तमंचा और कारतूस बरामद किया।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9०7776991

संक्षिप्त समाचार

कोंच पुलिस ने 5 वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच (जालौन) शाशन के आदेशानुसार जिले मे बांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है जिसको देखते हुये आज कोंच पुलिस ने कई दिनों से वांछित चल रहे 5 अभियुक्त जिनके नाम शानू खान पुत्र नवाब खान, मंगल सिंह पुत्र भगवान सिंह, देशराज कुशवाहा पुत्र झगडू कुशवाहा, रहीश (पप्पू) पुत्र अलीबख्श, नरेश पुत्र रामप्रकाश को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ बिधित कार्यवाही की गयी

घेराबंदी पर आतंकियों ने बरसाईं गोलियां, पुलिस ने किया ढेर; एडीजी ने बताया घटनाक्रम

पूरनपुर में हुई मुठभेड़ के बाद एडीजी जोन रमित शर्मा और आईजी रेंज डॉ. राकेश सिंह पीलीभीत पहुंचे। उन्होंने प्रेसवार्ता कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार सुबह तीन खालिस्तानी आतंकियों को मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ के बाद एडीजी जोन रमित शर्मा और आईजी रेंज डॉ. राकेश सिंह पीलीभीत पहुंचे। एडीजी रमित शर्मा ने बताया कि पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तीन लोगों की पहचान वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि (23), गुरविंदर सिंह (25) और जसनप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह (18) के रूप में हुई है। तीनों से दो एके-47, पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।एडीजी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों के खिलाफ पंजाब में गुरदासपुर की बक्शीवाल पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले के संबंध में एफआईआर दर्ज है। सूचना मिली थी कि ये तीनों पीलीभीत के पूरनपुर में छिपे हैं। सोमवार को सुबह चेकिंग के दौरान पुलिस ने उन्हें घेर लिया।खालिस्तानी आतंकवादियों ने पुलिस टीम पर गोलियां चलाईं और पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीनों मारे गए। मुठभेड़ में माधोटांडा थाने के सिपाही सुमित राठी और एसओजी के सिपाही मोहम्मद शाहनवाज घायल हुए हैं। इनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुठभेड़ में शामिल रही ये टीम -मुठभेड़ में पीलीभीत के एसपी अविनाश पांडेय, एसआई अमित प्रताप सिंह, इंस्पेक्टर नरेश त्यागी (एसएसओ पूरनपुर), एसआई ललित कुमार, हेड कांस्टेबल जगवीर, इंस्पेक्टर अशोक पाल (एसएचओ माधोटांडा), सिपाही सुमित और हितेश, एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर केबी सिंह, सर्विलांस प्रभारी एसआई सुनील शर्मा समेत पंजाब पुलिस की टीम शामिल रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

यूपी में गोली मारकर पैर तोड़ा जाता है... नेता प्रतिपक्ष ने पीलीभीत एनकाउंटर पर उठाए सवाल

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने पीलीभीत में खालिस्तान से जुड़े आरोपियों के एनकाउंटर पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूपी में फेक एनकाउंटर होते हैं।यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने मीडिया से बात करते हुए एक बार फिर एनकाउंटर पर सवाल खड़ा कर दिया। पीलीभीत में खालिस्तानी एनकाउंटर पर माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के राज में एनकाउंटर तो सामान्य बात है।उन्होंने कहा कि एनकाउंटर दो प्रकार के होते है एक एनकाउंटर आमने-सामने होता है जिसमें पुलिस भी घायल होती है और जिसका एनकाउंटर होता है वो भी घायल होता है लेकिन इस सरकार में सिर्फ आरोपी का पैर गोली मारकर तोड़ दिया जाता है। यह काम न्यायालय को करना चाहिए चाहे फांसी दे चाहे उम्रकैद दे दे।उन्होंने कहा कि यूपी में फेक एनकाउंटर बहुत होते हैं। हम इसकी वास्तविकता जानेंगे। इतना जरूर कहेंगे कि एनकाउंटर दवा नहीं है। हमारे अधिकारों में जीने का मौलिक अधिकार शामिल है। अगर हम अपराधी हैं तो हमे पकड़कर कोर्ट के हवाले किया जाए। कोर्ट चाहे फांसी की सजा दे या आजीवन कारावास की सजा। इसमें सरकार का अधिकार नहीं है। वह पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

खंड स्तरीय ग्रामीण खेल लीग का भव्य आयोजन ,खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जनपद में जमुनहा तहसील के पीएम श्री विद्यालय परिसर में खंड स्तरीय उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग का सफल आयोजन युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग, श्रावस्ती के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अतुल कुमार ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदस्य जिला पंचायत हरीश जायसवाल गांधी और विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला कमांडेंट पीआरडी आर.एल. पांडेय थे। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि इस आयोजन ने युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनकी प्रतिभाओं को निखारने का महत्वपूर्ण कार्य किया। ग्रामीण स्तर पर टीम भावना, अनुशासन और खेल कौशल को प्रोत्साहित करने वाला यह कार्यक्रम खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ। ब्लॉक कमांडर पीआरडी जमुनहा बाबू राम पाठक की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। खेलों का शुभारंभ 100 मीटर दौड़ में फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमें 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में अशरफ अहमद प्रथम व बालिका वर्ग में अंजना प्रथम। 200 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में शिव शांत प्रथम,बालिका वर्ग में साहिबा प्रथम। 400 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में शिव शांत प्रथम,बालिका वर्ग में शुभा देवी प्रथम। 800 मीटर दौड़ के बालक वर्ग में अरमान अहमद प्रथम,बालिका वर्ग में सपना प्रथम। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता के बालक-बालिका वर्ग में जमुनहा बाजार विजेता रही और लंबी कूद में शिव शांत प्रथम। गोला फेंक में आकाश गौतम प्रथम। वॉलीबॉल में हरिहरपुर महाराज नगर की टीम विजेता। इस दौरान कार्यक्रम में प्रेमचंद जायसवाल, अमित विश्वास,जमुनहा विकास खंड के वरिष्ठ लिपिक सहदेव प्रसाद, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, रूपेन्द्र प्रताप सिंह, अभय कुमार गुप्ता, वीरेन्द्र मौर्य, पवन वर्मा, दुर्गेश पाठक और बड़ी संख्या में पीआरडी जवान मौजूद रहे।

बेटे को बचाने के लिए मां ने नहर में लगा दी छलांग, गोताखोरों ने महिला को बचाया... बच्चा लापता

बेटे को बचाने के लिए मां ने नहर में छलांग लगी दी। गोताखोरों ने देखा तो महिला को बचा लिया। अभी बच्चा लापता है। यूपी के अयोध्या में मां की डांट से नाराज होकर आठ साल का बालक नहर में कूद गया। उसे बचाने के लिए उसकी मां ने भी छलांग लगा दी। इस बीच पुलिस व गोताखोरों ने मां को तो बचा लिया, लेकिन बेटा लापता हो गया। उसकी तलाश जारी है। मामला रौनाही थाना क्षेत्र के भिटौरा गांव का है। गांव निवासी सुभाष गुप्ता की पत्नी रुचि गुप्ता ने किसी बात को लेकर बेटे गौरव (8) को डांट-फटकार लगाई। इससे नाराज होकर वह गुस्से में शारदा सहायक नहर के पास गया और छलांग लगा दी। उसे कूदता देख बचाने के लिए रुचि भी नहर में कूद गई। दोनों को एक साथ नहर में कूदता देख आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस को भी सूचित किया। रौनाही थानाध्यक्ष पंकज सिंह गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद मां को तो गोताखोरों ने बचा लिया, लेकिन बालक का कहीं पता नहीं चला। थाना प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि गंभीर अवस्था में रुचि को जिला अस्पताल भेजवाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बालक की तलाश की जा रही है।

ओम प्रकाश के आवास पर बाबा अंबेडकर की टिप्पणी को लेकर एक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली कांग्रेस कैम्प कार्यालय पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है। बीजेपी हमेशा से लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती इस बार तो हद ही पार कर दी संविधान के पचहत्तर वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के दलों ने संसद में सरकार से संविधान पर चर्चा की मांग रखी. अडानी, मणिपुर, संभल जैसे मामलों पर सदन में बहस की मांग लगातार ठुकराए जाने के बाद प्रतिपक्ष की संविधान पर चर्चा की मांग मान ली गई. इस मौके पर कांग्रेस समेत सभी दलों ने सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की प्रतिबद्धता याद दिलाई. समता, समानता और न्याय के डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की सलाह बीजेपी को कतई रास नहीं आई. सत्तापक्ष ने लगातार विपक्ष को बोलने से रोकने की कोशिश की. यही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान कर संघ और बीजेपी की मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी. अमित शाह ने कहा कि 卐अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत बीजेपी की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और बैसाखी सरकार बना कर लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया था. लेकिन बीजेपी ये खीज अब संविधान निर्माता पर निकाल रही है और बाबा साहेब का अपमान किया गया है. लेकिन दुख की बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को सीख देने के बजाय आरोप- प्रत्यारोप की राजनीति तेज कर दी. कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी से अमित शाह के इस्तीफे की मांग की है. लेकिन मोदी सरकार डॉ. अंबेडकर के अपमान को अपराध मानने को तैयार नहीं है. उल्टे बीजेपी ने संसद की कार्रवाई ठप्प रखी. यही नहीं अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों के साथ धक्कामुक्की की गई. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गिरा दिया गया. बीजेपी ने षड़यंत्र के तहत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करा दी गई. बीजेपी और उसकी मातृसंस्था हमेशा से डॉ. आंबेडकर और संविधान विरोधी रही है. इन्होंने न सिर्फ संविधान के निर्माण के समय से ही विरोध किया, बल्कि इससे पहले डा. आंबेडकर को चुनाव हरवाया था। कांग्रेस डॉ. आंबेडकर के अपमान को लेकर अमित शाह के इस्तीफे की मांग पर अटल है. जब तक अमित शाह इस्तीफा नहीं देंगे, हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस अवसर पर श्री प्रवीण तरार,ठाकुर लाखन सिंह,सोमदेव तोमर,बिजेन्द्रपाल वर्मा,ओमवीर उपाध्याय,शेखरपाल एवं अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे ।

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत "प्रशासन गांव की ओर" जल संचयन जन भागीदारी कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जनपद में 卐सुशासन सप्ताह卐 के अंतर्गत 卐प्रशासन गांव की ओर卐 जल संचयन जन भागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संकट के समाधान के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम राजकीय मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें अपर सचिव/मिशन निदेशक जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार अर्चना वर्मा ने उपस्थित होकर जल संचयन के महत्व पर विचार साझा किए।उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक राजशेखर व मंडला आयुक्त झांसी विमल कुमार दुबे, उप महानिरीक्षक केशव चौधरी ने भी अपने संबोधन में जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया।जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने भी अपने संबोधन में जल सरंक्षण, जल संचयन पर अपने विचार रखे। अध्यक्षता कर रहे उमाशंकर पाण्डेय पदम श्री ने कहा कि जल संचयन में जन भागीदारी, भविष्य के लिए सामुहिक प्रयास की आवश्यकता है।जिलाधिकारी ने इस अवसर पर जिले में किए गए जल संचयन कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी योजना के तहत जल संचय को बढ़ावा देने के लिए कैच द रेन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जल संरक्षण और जनभागीदारी को जन आंदोलन में बदलने की एक महत्वपूर्ण पहल है। हमारा लक्ष्य अगले एक वर्ष में अधिक से अधिक बोरवेल तक पहुंचने का है। यह बोरवेल बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए बनाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में जल संचयन के लिए कई प्रभावी कार्य किए गए हैं। जनपद में कुल 385 चैकडेमों का निर्माण किया गया है, जिसमें 56 चैकडेमों में डिसिल्टिंग का कार्य और 26 चैकडेमों में मरम्मत कार्य की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा, 410 अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया, जबकि 165 और अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जल संरक्षण के लिए अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में जनपद के 135 राजकीय भवनों जैसे विद्यालयों, पंचायत भवनों, तहसील, कलेक्ट्रेट और विकास भवनों पर रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण किया गया। इसके अलावा, 3886 हैंडपंपों पर सॉकपिट का निर्माण किया गया है। जनपद में जल संरक्षण और नदी के तटीय क्षेत्रों में भी काम किया गया है। यमुना नदी के दाएं तट पर वेदव्यास मंदिर और कालपी घाट में 1.150 किलोमीटर रिवेटमेंट का निर्माण किया गया, जिससे एक हजार से अधिक भूमि कटान रहित उपजाऊ भूमि में परिवर्तित हो गई। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर जल संरक्षण के इस प्रयास से जनपद में वन विभाग ने भी योगदान दिया है, जिसमें एक करोड़ पेड़ लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जल पुनर्भरण के लिए 7 ग्रे वॉटर मैनेजमेंट इकाइयां बनाई गई हैं, और कुओं का पुनरुद्धार भी किया गया है। इन प्रयासों से जनपद में जल संकट की स्थिति में सुधार होगा।जिलाधिकारी ने जल संरक्षण के उपायों के बारे में भी बताया। उन्होंने खेतों की मेड़बंदी, नदियों और धाराओं में चेक डेम का निर्माण, कृषि तालाबों का निर्माण और सफाई, टांकों और जलाशयों का निर्माण, वृक्षारोपण, सिंचाई टैंकों का निर्माण, नहर नेटवर्क में सुधार, पानी के रिसाव को रोकने के लिए पाइपलाइन नेटवर्क में सुधार, और रूफ टॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को प्रोत्साहन देने की बात की। उन्होंने भूमिगत जल के पुनर्भरण, घरों में जल निकासी के स्थान पर सॉकपिट गड्?ढों का निर्माण, वर्षा जल संरक्षण हेतु स्टोरेज टैंक का निर्माण, और कृषि एवं बागवानी के लिए स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली को उपयोग में लाये जा रहे है। नल में टोंटी का प्रयोग करने और आरओ के व्यर्थ पानी का रसोई और बागवानी में उपयोग करने की भी बात की गई।जल संरक्षण की आवश्यकता को समझाने और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिकारियों ने जल संकट से निपटने के लिए सभी से मिलकर काम करने की अपील की और जल संचयन को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखा। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम जनता ने मिलकर जल संचयन के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, परमार्थ सेवा संस्थान डॉ संजय सिंह आदि अधिकारी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कंपोजिट विद्यालय मल्हीपुर खुर्द के बच्चों को पर्यटन स्थल दिखाने के लिए किया गया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत मल्हीपुर खुर्द के कंपोजिट विद्यालय के बच्चों को शिक्षक द्वारा पर्यटन स्थल का भ्रमण करने के लिए आज खंड शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया जिसमें मुख्य रूप से जनपद श्रावस्ती के सीताद्वार, समेट महेट व बौद्ध स्थली का भ्रमण कराएंगे जहां पर प्राधिकरण मंदिरों अंगुल मार गुफा भी घुमाया जाएगा इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी जमुनहा से बात करने पर बताया गया कि बच्चों को बौद्धिक विकास के लिए पर्यटन का भ्रमण कराया जा रहा है मौके पर उपस्थित प्रधानाध्यापक जगदंबिका प्रसाद, रामरूप, महेश कुमार, ओम प्रकाश, ग्राम प्रधान रोहित गुप्ता उपस्थित रहे।

बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चला कर बच्चों को कराया गया श्रम मुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। विकासखंड जमुनहा व गिलौला में श्रम विभाग और देहात इंडिया ने मिलकर बाल श्रम उन्मूलन एवम मानव तस्करी के रोकथाम हेतु एक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता श्रम प्रवर्तन अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा ने की। जिसमे बदला चौराहा से लेकर इमलिया चौराहा ब्लॉक जमुनहा जनपद श्रावस्ती में छह बच्चे जो बाल श्रम में लिप्त थे। उन बच्चों को श्रम मुक्त कराया गया। इसके साथ ही जिन प्रतिष्ठानो पर बच्चे कार्यरत थे उनके मालिकों को निरीक्षण टिप्पणी देकर बच्चों से काम ना कराने का हिदायत दिया। उसके बाद बच्चों को मेडिकल जांच व पुनर्वास के लिए न्याय पीठ बाल कल्याण समिति श्रावस्ती में प्रस्तुत किया गया। न्यायपीठ बाल कल्याण समिति ने बच्चों के पुनर्वास के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए बच्चों को उनके माता-पिता, परिजनों को सुपुर्द किया गया। उक्त अभियान में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना, देहात इंडिया टीम, एक्शन ऐड के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

जंगल से लकड़ियां बीन कर परिवार का गुजारा कर रहे साइकिल सवार को ट्रक ने रौंदा हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती के थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत दहाना चौराहे के पास जंगल से लकड़ी बीन कर साइकिल पर ला रहे युवक को सामने से आ रहे ट्रक ने रौंद दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। भिनगा बाजार के बारी मुहल्ला निवासी ओमप्रकाश उर्फ छुट्टन पुत्र रामदीन जो प्रतिदिन की भांति जंगल से लकड़ी बीन कर और लकड़ी को बेचकर परिवार का भरण पोषण करता था। प्रतिदिन की भांति सायकिल लेकर जंगल में लकड़ी बीनने गया हुआ था। जहां जंगल में लगे पेड़ों की सुखी सुखी डालियां तोड़कर सायकिल पर बांधकर घर को निकला था। उसको क्या पता था कि आगे मौत खड़ी उसका इंतजार कर रही है। जैसे ही वह दहना तिराहे पर पहुंचा तभी सामने से आ रहे ट्रक यूपी 42। 5629 ने सायकिल सवार को रौंद दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही मौके पर पहुंची कोतवाली भिनगा की पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तथा ट्रक को कब्जे में लेकर थाने लाकर कार्रवाई शुरू की। इस हादसे में ओमप्रकाश की हुई मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

People do not know the right time to take bath in winter, this time is the best

Taking bath in winter is the biggest task. Because leaving the attachment to the bed in the cold and then going to the bathroom and pouring water seems no less than a horror. But often very few people know what is the actual time to take bath. Therefore, you should know the right time to take bath so that you can take bath at the right time in winter. We have heard since childhood that one should take bath every day. Bathing keeps a person healthy. It also keeps the body agile. But it is also important to know whether there is a right time to take bath. Especially in the winter season. In the winter season, many people do not set a time for bathing and take bath at any time. Due to this, their body catches cold and then they fall ill. Many times people even get pneumonia. This is an important question. People definitely ask this question to an expert or doctor in winter. Experts say that before taking bath in winter, a person should take a decision about his body. There are many people who bathe every day in winters and get allergies on their skin due to water or soap. At times, there are more chances of them catching cold. Therefore, a person should bathe according to his body. Which time is best for bathing? The best time for bathing in winter is the time of sunlight. You can bathe when the sun rises in the morning. This time is between 8 am to 12 noon. During this time the heat of the sun is strong. When you sit in the sunlight immediately after bathing, it is very beneficial for you. Firstly, you do not feel cold and secondly your head dries quickly. Some tips for bathing in winters Use warm water: Use warm water for bathing in winters, as it provides heat to the body. You should try to use warm water for bathing in winters so that you do not feel cold and you do not fall ill. Moisturize the skin after bathing: It is important to moisturize the skin after bathing in winters, as it provides moisture to the skin. For this you can use cream and oil. Many times the skin becomes dry due to not applying cream or oil after bathing. Choose suitable soap for bathing: It is important to choose suitable soap for bathing in winter, because it does not harm the skin. Many times the use of soap increases dryness in your skin.

Are you also sipping poisonous tea? Identify fake tea leaves with these tips

With a sip of tea, the body feels relief. That is why people like to drink tea to relax or feel fresh, but are you using fake tea leaves to make tea? Fake tea leaves can cause a lot of harm to health. Let's know how (Tips to Identify Fake Tea Leaves) Identify real and fake tea leaves. Fake tea leaves contain chemicals and artificial colors. Due to this, health can be harmed a lot. Some tips need to be followed to identify fake tea leaves. Tea is a drink that almost everyone likes to drink. From early morning to removing evening fatigue, tea is liked on every occasion. Therefore, the demand for tea leaves is very high in the market, but with the increasing demand, fake tea leaves are also available in the market. Fake tea leaves can be harmful to health and can also spoil the real taste of tea. Therefore, it is very important to differentiate between real and fake tea leaves (How to Test Fake and Real Tea Leaves). For this, FSSAI has also shared a post on its social media, in which they have told a way to identify fake tea leaves. Let's know how. Ways to identify fake tea leaves- Color- Real tea leaves leave color only in hot water or hot milk, but adulterated tea leaves leave color even in normal water. Therefore, to identify fake tea leaves, put it in normal water. If it leaves color in water, then understand that the tea leaves are fake. Magnet Test- Some small pieces of iron are also mixed in adulterated tea leaves. These iron pieces are not recognizable by looking at them with ordinary eyes. A magnet will have to be used to detect them. Move a magnet over the tea leaves. If there are iron pieces in it, they will stick to the magnet. Filter Paper- Sometimes dry leaves are also mixed in adulterated tea leaves, so that the quantity increases, but this can also be detected. For this, take a filter paper and put tea leaves in it. Now wet the tea leaves slightly. If there is some adulteration in it, then the filter paper will start turning brown. Tissue paper test- Put a little tea leaves on a tissue paper and pour water on it. The real tea leaves will absorb the water and there will be no stain on the tissue paper. Fake tea leaves will not absorb water and a colored stain will appear on the tissue paper. Disadvantages of fake tea leaves- Harmful to health- Many types of harmful chemicals and colors are mixed in fake tea leaves which can be dangerous for health. Stomach problems- Digestion can also be disturbed due to fake tea leaves. Some types of cancer- There can also be a risk of some types of cancer due to the chemicals added in fake tea leaves. Keep these things in mind while buying tea leaves Always buy tea leaves of a trusted brand. Always keep tea leaves in an airtight container. Keep tea leaves away from direct sunlight. Do check the expiry date of tea leaves.

What is the solution when your girlfriend's friend gets impressed by you? How to handle overreaction

It is usually seen that your girlfriend's best friend gets impressed by you. After this, your girlfriend's behavior starts changing completely for you. Your girlfriend starts overreacting to everything. This is where the bond of relationship starts weakening. You have to tackle such situations very carefully. Dealing with girlfriend's friend can be a difficult task, especially when she gets impressed by you. In such a situation, you should act carefully and it is wise to take the right steps to save your relationship. The situation becomes tense when the girlfriend overreacts to it. Handle this situation with a very soft hand. Avoid everything that can add fuel to the fire. Let us know what to do and what not to do when your girlfriend's friend gets impressed by you. What to do to deal with such a situationBe careful: You should be careful while dealing with your girlfriend's friend. Be nice to her, but don't be overly friendly. Talk to your girlfriend openly: If you feel that your girlfriend's friend is impressed by you, then talk to your girlfriend openly. Tell her what you are feeling and take her advice.Set boundaries with your girlfriend's friend: If your girlfriend's friend is impressed by you, then you should set boundaries for your relationship with her. Tell her what is okay for you and what is not. Keep your girlfriend's friend away: If your girlfriend's friend is impressed by you, then you should work to keep her away. Spend less time with her, don't be alone with her and limit your relationship with her. Don't do this at all - Don't flirt with your girlfriend's friend: If your girlfriend's friend is impressed by you, then you should not flirt with her. This can cause problems in your relationship and hurt your girlfriend. Do not stay alone with girlfriend's friend: If girlfriend's friend is impressed by you, then you should not stay alone with her. This can cause problems in your relationship and hurt your girlfriend. Do not keep your relationship a secret: If girlfriend's friend is impressed by you, then you should not keep your relationship with her a secret, rather talk about it with the concerned party including your girlfriend. If you keep the relationship hidden, then you may face more problems in the future. Because one day the truth will come out.

'Trying to make her happy is stress...', Arjun Kapoor replied to Malaika Arora's post? Said something deep

Arjun Kapoor and Malaika Arora's breakup has been one of the hottest topics in B-town. The two separated after 6 years but did not announce their breakup on social media. Despite all the rumors, both are silent about their breakup. Recently Malaika told the reason for the

end of love. Now Arjun has also posted a cryptic post. Arjun-Malaika broke up this year- Malaika and Arjun were dating for 6 years- Malaika Arora is 13 years older than Arjun KapoorB-town's power couple Malaika Arora and Arjun Kapoor have ended their 6-year-old relationship. At the promotional event of Singham Again, the actor had confessed that he is no longer dating Malaika, calling himself single. The news of Malaika Arora and Arjun Kapoor's separation is not new. Many times in 6 years, the rumors of their breakup have caught people's attention. But both of them have always rejected these rumors by reacting to them. But this time they did not do so and their silence confirmed their breakup. Malaika's post on 'love'- Arjun Kapoor confirmed their breakup, but Malaika is still silent about it. The reason for their separation has also not been revealed. But both of them say a lot in gestures. Recently, Malaika had posted on Instagram story, in which she told the reason for the end of love. Malaika Arora wrote in the post - The oxygen of love is effort. Without it, the fire ends. Arjun Kapoor's cryptic post After Malaika Arora, Singham Again star Arjun Kapoor has shared a cryptic post, in which he has described effort as stressful. This is pointing towards the actress' post. The actor wrote in the Instagram story - Trying to please everyone causes stress, sadness and frustration. Be who you are. It would be good to know who is ready to do this. Supported in sorrow- Arjun Kapoor and Malaika Arora may have separated, but the actor stood by his ex-girlfriend in her grief. Malaika's father passed away in the month of September. In this bad phase, Arjun Kapoor went to his ex-girlfriend's house to give her courage. Not only this, the actor also said in a recent interview that whoever he has been in an emotional relationship with, will always support him in sorrow and happiness. It is known that before dating Arjun Kapoor, who is 13 years younger, Malaika Arora married Arbaaz Khan, from whom she separated in 2017. Both also have a son named Arhaan.

'I will become Kareena Kapoor's son...', 27-year-old Pakistani actor said such a thing for Bebo, got trolled

A video of Pakistani actor Khaqan Shahnawaz is going viral on social media. In the clip, the Pakistani actor has said something for Bollywood actress Kareena Kapoor Khan, after which fans are expressing anger on social media. Khaqan Shahnawaz is being badly trolled on the internet. Pakistani actor spoke on working in Bollywood - Actor got into trouble for giving a statement about Kareena Kapoor - Khaqan Shahnawaz is being trolled on social media Pakistani actor spoke on working in Bollywood - Actor got into trouble for giving a statement about Kareena Kapoor - Khaqan Shahnawaz is being trolled on social media Khaqan got badly trolled Fans did not like this statement of Khaqan Shahnawaz about Kareena Kapoor. Users are trolling him badly on social media. A user wrote in the comment, "You can play the role of her driver." One wrote, "Kareena will not even know who this is. I have never seen his drama myself." A user said, "He is not so good looking that he can play the role of her son." One said, "This man is cool in himself." Similarly, people are trolling the actor badly. It is known that Khakan Shahnawaz has worked in many Pakistani serials. He was last seen in the drama Sukoon. Apart from this, he has also worked in Bepanah and College Gate.

Tanaav 2: Who is Gaurav Arora who plays the character of 'Farid Mir'? He has become an internet sensation with his voice

Manav Vij's web series 'Tanaav', which narrates the situation in Kashmir, has come to entertain the audience with its second season on OTT. The remaining story in the show is being taken forward. Apart from this, the audience is liking Gaurav Arora, who is seen in the role of Farid Mir in the show. Let us tell you who the actor is. Gaurav Arora seen in Tanaav 2, the series shows the internal issues of Kashmir - This is the Hindi remake of the Israeli show. Gaurav Arora, who won the hearts of the audience with Kesar Bhardwaj in Asur, is seen in the second season of the OTT web series Tanaav. People like the actor for his acting as well as his voice. Recently, the actor spoke openly about his experiences working in Tanaav and shooting and also told how he was offered the role of Farid Mir. Gaurav Arora's character burning in the fire of revenge- Many of you must have seen Gaurav Arora in the famous psychological thriller series Asur where he has made a special place in everyone's heart with his voice. Talking about the role of Farid Mir in season 2 of Tanas, he told that in the second season of the show, his character was added as a man who wanted to avenge his father's death. To play this character, Farid Mir had to prepare a lot mentally. He had to go through many types of struggles both inside and outside because his theory is that he fights for what he believes is right. How was this role offered to Gaurav Arora? The most special thing about Farid's character is how he got this role suddenly. Model turned actor Gaurav told that he had manifested a lot for this role. While talking to E-Times, the actor told that he was once watching the Israeli show Fauda and he liked the show very much. He said, 'When the second season came, I saw it. When I was watching this show, I said, 'Wow, this is the character, the character of Farid?' I want to get a chance to play this role someday, I mean I had manifested it.' The crime thriller Tension on the Israeli series Fauda is a Hindi adaptation of the Israeli show Fauda. While Fauda shows the story of the war between Israel and Palestine, an attempt has been made to bring the tension going on in Kashmir in front of the people in Tension. In Season 2, actors like Arbaaz Khan, Manav Vij, Gaurav Arora, Rajat Kapoor, Shashank Arora, Amit Gaur, Soni Razdan are going to be seen in important roles. Gaurav Arora is currently known for playing the role of Farid Mir, but in the year 2020, he surprised everyone with his excellent acting in Asur. His character in the show was of a man whom many people suspected to be the villain of the story. Fans became crazy after hearing the variation in his voice. Apart from this, the actor was also seen in Raaz Reboot released in the year 2016.